रावण का पैगाम | By Riyaz Hindustani

सुनले ये लोग तमाम , सुनले ये लोग तमाम
है आज के लोगो के लिए ये रावण का पैगाम
सुनले ये लोग तमाम , सुनले ये लोग तमाम
तुम आज के रावण को मारो, मुझे मार चुके श्री राम

मुझको जला कर आप हर साल हँसते है
क्या अब नहीं रावण दुनिया में बसते है
दुष्कर्मो को करने वालो को क्या दोगे फिर नाम
है आज के लोगो के लिए ये रावण का पैगाम
तुम आज के रावण को मारो, मुझे मार चुके श्री राम

मेरी तरह कोई रिश्ता निभाए तो
एक बहन की खातिर लंका जलवाये तो
भगवान् से भी जो उलझ पड़ा रावण जैसा गुणवान
है आज के लोगो के लिए ये रावण का पैगाम
तुम आज के रावण को मारो, मुझे मार चुके श्री राम

मैं सीता को ना हरता तो मिलती नहीं मुक्ति
श्री राम दर्शन की मुझे सूझी ये ही युक्ति
कहे मुन्ना हरी दर्शन भी हुए, मिला पापों से विश्राम
है आज के लोगो के लिए ये रावण का पैगाम
तुम आज के रावण को मारो, मुझे मार चुके श्री राम

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%b5%e0%a4%a3-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%aa%e0%a5%88%e0%a4%97%e0%a4%be%e0%a4%ae-by-riyza-hindustani/